अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल

तत्त्वज्ञान (वर्ष : 2024) दिनांक : 18.12.2024

समय सीमा : 3 घंटा तृतीय वर्ष : प्रथम प्रश्न पत्र पूर्णांक : 100

बावन बोल–25

प्र. 1 किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दें– 10

(क) उदय के तैंतीस बोलों में सावद्य कितने? निरवद्य कितने? व उनमें कौन-कौन आत्मा?

(ख) चौदह गुणस्थान कितने भाव? कितनी आत्मा?

(ग) श्रावक के बारह व्रतों के द्रव्य, क्षेत्र, काल, भाव और गुण की चर्चा।

प्र. 2 किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दें– 9

(क) संवर के बीस बोल कितने भाव? कितनी आत्मा?

(ख) बाईस परीषह किस-किस कर्म के उदय से?

(ग) उदय निष्पन्न यावत् पारिणामिक निष्पन्न छह द्रव्य में कौन? नौ तत्त्व में कौन?

(घ) जीव पारिणामिक के दस भेद छह द्रव्य में कौन? नौ तत्त्व में कौन?

प्र. 3 किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लिखें– 6

(क) द्रव्य जीव, भाव जीव कितने भाव? कितनी आत्मा?

(ख) शुभ योग, अशुभ योग कितने भाव? कितनी आत्मा? तथा छह द्रव्य में कौन? नौ तत्त्व में कौन?

(ग) आठ कर्मों में पुण्य कितने कर्मों से लगता है और पाप कितने कर्मों से लगता है?

(घ) उदय आदि छह द्रव्य में कौन? नौ तत्त्व में कौन?

इक्कीस द्वार–25

प्र. 4 कोई चार बोल पूरे लिखें– 20

(क) अनिन्द्रिय।

(ख) अकषायी।

(ग) क्षायिक सम्यक्त्वी।

(घ) असंयति।

(ड़) सूक्ष्म।

(च) अभवी।

प्र. 5 किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर दें (कितने व कौन-कौन से पाते हैं)– 5

(क) स्त्रीवेदी में–गुणस्थान व योग।

(ख) देवांगना में–गुणस्थान व आत्मा।

(ग) द्वीन्द्रिय में–उपयोग व लेश्या।

(घ) वायुकाय में–योग व दृष्टि।

(ड़) नीललेश्यी में–गुणस्थान व दण्डक।

(च) सास्वादन सम्यक्त्वी में–उपयोग व भाव।

(छ) विभंगज्ञान में–आत्मा व दण्डक।

जैन तत्त्व प्रवेश (द्वितीय व तृतीय खण्ड)–30

प्र. 6 किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर लिखें– 5

(क) दृष्टि के कितने भेद हैं? नाम लिखें।

(ख) धर्म किसे कहते हैं?

(ग) दान किसे कहते हैं?

(घ) तीर्थ सेवा से आप क्या समझते हैं?

(ड़) श्रावक की आठवीं प्रतिमा कौन-सी है?

(च) प्रमेय किसे कहते हैं?

(छ) एक इन्द्रिय वाले जीवों में योग कितने पाते हैं?

प्र. 7 किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दें– 10

(क) गुणस्थान द्वार प्रारंभ से लेकर प्रथम सात तक लिखें।

(ख) उपासक (श्रावक) प्रतिमा-द्वार में प्रथम पांच प्रतिमाओं का वर्णन करें?

(ग) प्रमाण द्वार में सप्तभंगी से लेकर नय तक लिखें।

प्र. 8 किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर लिखें– 15

(क) श्रावक के चार विश्राम लिखें।

(ख) ज्ञान दान का दोहा लिखें।

(ग) दोहा पूर्ण करें : गाय भैंस.....आतम काय।

(घ) सम्यक्त्व के लक्षण व भूषण को समझायें?

(ड़) देव व नारक में शरीर, योग, उपयोग लिखें।

(च) बारह अंग के नाम लिखें।

(छ) निर्ग्रंथ के प्रकार अर्थ सहित लिखें।

पूर्ण कंठस्थ ज्ञान–20

प्र. 9 किन्हीं आठ प्रश्नों के अति संक्षिप्त में उत्तर लिखें– 8

प्रत्येक खंड से दो प्रश्नों को हल करें–

पच्चीस बोल–

(क) 10वां गुणस्थान।

(ख) श्रावक का सातवां व्रत।

(ग) 20वां दण्डक।

चतुर्भंगी–

(घ) आश्रव जीव या अजीव?

(ड़) गुणस्थान किस कर्म का उदय?

(च) किस शरीर के जीव कम, किसके अधिक?

पच्चीस बोल की चर्चा–किसमें और कौन-कौन से?

(छ) जीव के आठ भेद किसमें?

(ज) चार लेश्या किसमें?

(झ) पांच प्राण किसमें?

तत्त्व चर्चा–

(ञ) जीव हेय या उपादेय?

(ट) सावद्य पुण्य या पाप?

(ठ) तुम सूक्ष्म या बादर?

प्र. 10 निम्न प्रश्नों के उत्तर दें– 12

(क) **प्रतिक्रमण–**कायोत्सर्ग प्रतिज्ञा लिखें।

अथवा

तीसरा व्रत सूत्र व अतिचार सहित लिखें।

(ख) **जैन तत्त्व प्रवेश–**द्रव्य-गुण-पर्याय द्वार में गुण के दो प्रकार भेद सहित लिखें।

अथवा

विस्तार द्वार में प्रारम्भ से लेकर जीव के तीन वर्गों तक लिखें।

(ग) **कर्म प्रकृति–**मोहनीय कर्म की स्थिति और अबाधाकाल लिखें।

अथवा

प्रत्येक प्रकृति किसे कहते हैं? भेद सहित लिखें।